

प्रेषक,

सी० भास्कर,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
(उधमसिंहनगर को छोड़कर)
उत्तराखण्ड।

ऊर्जा अनुभाग-2,

देहरादून: दिनांक: 12 मई, 2008

विषय:- वित्तीय वर्ष 2008-09 में उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि० को विद्युतीकरण कार्यों (सामान्य) हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 987/1(2)/2008-06(1)/35/06 दिनांक 16.04.2008 को निरस्त करते हुये राज्य योजना आयोग के शासनादेश संख्या 624/जि०यो०/रा०यो०आ०/मु०स०/2008, दिनांक 24.03.2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 में उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि० को जिला योजनान्तर्गत अनुमोदित कार्यों हेतु ऋण के रूप में संलग्न विवरण 'क' के अनुसार कुल रु० 0,36,44,000.00 (रु० दस करोड़ छत्तीस लाख चवालीस हजार मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर व्यय हेतु रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त स्वीकृत धनराशि से जनपदों में वे ही कार्य सम्पादित कराये जायेंगे जो चालू योजना के हों एवं जनपद की जिला सैक्टर की योजना के अन्तर्गत जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा चर्चित एवं अनुमोदित हैं। स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित परिव्यय सीमा के अधीन ही किया जायेगा। व्यय जनपदवार अनुमोदित प्लान परिव्यय के अनुसार ही किया जायेगा।
- 2- कार्य प्रारम्भ करने से पहले कार्यों का विस्तृत आगणन, कार्यों का विस्तृत विवरण, समयबद्ध समय सारिणी, लागत, लाभान्वित होने वाले क्षेत्र का विस्तृत विवरण शासन को भी उपलब्ध करा दिया जायेगा तथा कार्य पूर्ण होने पर उक्त बिन्दुओं पर वास्तविक विवरण भी शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का व्यय एवं कार्यों का क्रियान्वयन परियोजना मोड में यथोचित बारचार्ट/पर्ट चार्ट आदि पूर्व में निश्चित कर किया जायेगा।
- 3- उक्त स्वीकृति के अन्तर्गत किये जाने वाले कार्यों की जानकारी क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों, मुख्य विकास अधिकारी, जिलाधिकारी, आयुक्त, संबंधित ग्राम प्रधानों को कार्य कराने से पूर्व व बाद में उपलब्ध कराया जायेगा तथा यथोचित माध्यम से प्रचार-प्रसार भी किया जायेगा।
- 4- स्वीकृत की जा रही धनराशि केवल उक्त कार्यों एवं उद्देश्य हेतु ही व्यय की जायेगी।
- 5- उक्त स्वीकृत धनराशि के बिल उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि० के जिला स्तरीय अधिकारी द्वारा तैयार कर नियमानुसार धनराशि का आहरण किया जायेगा।
- 6- व्यय करने से पूर्व योजनाओं पर बजट मैनुअल, फाईनेन्सियल हैण्डबुक स्टोर पर्चज तथा शासन के मितव्ययता के विषय में आदेश व तद्विषयक आदेशों का अनुपालन किया जायेगा। उपकरणों आदि का कय डी०जी०एस० एण्ड डी० अथवा टैण्डर/कुटेशन विषयक नियमों का अनुपालन करते हुये किया जायेगा।
- 7- नये कार्यों पर व्यय करने से पूर्व इनके विस्तृत आगणन पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति शासन एवं सक्षम अधिकारी से अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 8- स्वीकृत कार्यों की कम्प्यूटरीकृत सूची शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 9- आवश्यक सामग्री का कय सम्बन्धित फर्म से प्राप्त सामग्री की जॉच के उपरान्त ही किया जायेगा एवं इस हेतु सक्षम अधिकारी को अधिकृत किया जायेगा, जो इस हेतु पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 10- ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु नाबार्ड द्वारा ऋण रु० 6.5% की दर निर्धारित है। इस ऋण पर भी ब्याज की दर 6.5% निर्धारित की जाती है तथा विलम्ब की दशा में 1.0% अतिरिक्त विलम्ब शुल्क देय होगा। मूलधन की वापसी 10 वार्षिक किश्तों में (ब्याज सहित) माह अप्रैल, 2009 से प्रारम्भ होगा।



.....2

- 11- प्रत्येक ऋण आहरण की सूचना महालेखाकार, उत्तराखण्ड को शासनादेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम, वाउचर संख्या, निधि लेखाशीर्षक सूचित करते हुये भेजेंगे।
- 12- उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि० जब भी किश्तों का भुगतान करें ब्याज भी अवश्य जमा करें एवं महालेखाकार कार्यालय को सूचना निम्न प्रारूप पर भेजें:-
- 1- कोषागार का नाम, 2- चालान सं०, 3- जमा धनराशि, किश्त, ब्याज, 4- शासनादेश संख्या और एस०एल०आर० का संदर्भ, 5- लेखाशीर्षक, जिसके अन्तर्गत जमा की धनराशि ब्याज।
- 13- ऋण प्राप्तकर्ता द्वारा आहरण के प्रत्येक वर्ष पर अपने लेखों का मिलान महालेखाकार कार्यालय के लेख से अवश्य करें तथा शासन को मिलान की सूचना उपलब्ध कराई जाय तथा किश्तों के भुगतान का मिलान शासन से भी करा लें।
- 14- भविष्य में ऋण तभी स्वीकृत किया जायेगा जब यह सुनिश्चित हो जाय कि ऋणी संस्था इस प्रकार के वार्षिक लेखों का मिलान महालेखाकार कार्यालय से करा लिया है ताकि अवशेष ऋण की स्थिति शासन को स्पष्ट रहे और ऋण संस्था महालेखाकार से इस आशय का प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दे।
- 15- स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन को दिनांक 31.03.2009 तक अवश्य उपलब्ध करा दिया जायेगा। योजना का मासिक रूप से व्यय विवरण शासन को प्रेषित कर दिया जायेगा।
- 16- जिला योजना में अनुसूचित जनजाति के कल्याणार्थ धनराशि अलग से निर्गत की जायेगी।
- 17- इस धनराशि से सर्वप्रथम गत वर्ष में 80 प्रतिशत किए गये कार्यों को पूर्ण किया जाएगा।
- 18- अवमुक्त की जा रही धनराशि का शासन को प्रस्तुत प्रस्ताव में निर्धारित वित्तीय एवं भौतिक प्रगति के लक्ष्य अनुसार व्यय किया जायेगा।
- 19- रु० 50 लाख से अधिक की स्वीकृति मण्डलायुक्त के अनुमोदन के उपरान्त ही जारी की जायेगी।
- 20- स्वीकृत धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2008-2009 के अनुदान सं० 21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 6801-बिजली परियोजनाओं के लिये कर्ज-05-पारेषण एवं वितरण-आयोजनागत-190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश-91-उत्तरांचल पावर कारपोरेशन लि० को ऋण-9101-30-निवेश/ऋण के नामें डाला जायेगा।
- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश सं० 267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27.03.2007 में उल्लिखित प्रतिबन्धों एवं सहमति के अधीन जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्नक- यथोक्त।

भवदीय,

(सी० भास्कर)
अपर सचिव

संख्या: 1120/1(2)/2008-06(1)/35/06, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को उक्त संलग्नक की प्रति सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- मण्डलायुक्त, गढ़वाल एवं कुमाऊँ।
- 3- सचिव, मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 4- निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०, देहरादून।
- 6- समस्त कोषाधिकारी (उधमसिंहनगर को छोड़कर), उत्तराखण्ड।
- 7- समस्त महाप्रबन्धक (मण्डल स्तरीय)/समस्त उपमहाप्रबन्धक (जनपद स्तरीय), यूपीसीएल, उत्तराखण्ड।
- 8- वित्त अनुभाग-2
- 8- नियोजन विभाग/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 9- प्रभारी, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर।
- 10- विशेष सैल, ऊर्जा।
- 12- गार्ड फाईल हेतु।

संलग्नक-यथोक्त।

आज्ञा से,

(एम०एम० सेमवाल)
अनु सचिव

शासनादेश संख्या 1\20/I(2)/2008-06(1)/35/06 दिनांक 12 मई, 2008 का संलग्नक 'क'

ऊर्जा विभाग हेतु वित्तीय वर्ष 2008-09 में जिला योजना के अन्तर्गत सामान्य मद में अनुमोदित
परिव्यय के सापेक्ष अवमुक्त धनराशि की जनपदवार फॉट

क्र०सं०	जनपद का नाम	धनराशि रु० लाख में
1	नैनीताल	110.00
2	अल्मोड़ा	137.70
3	पिथौरागढ़	112.50
4	बागेश्वर	15.80
5	चम्पावत	75.91
6	पौड़ी गढ़वाल	36.90
7	देहरादून	3.13
8	टिहरी गढ़वाल	194.30
9	चमोली	106.70
10	उत्तरकाशी	47.70
11	रुद्रप्रयाग	56.20
12	हरिद्वार	139.60
	कुल योग:-	1036.44

(रु० दस करोड़ छत्तीस लाख चवालीस हजार मात्र)

(सी० भास्कर)
अपर सचिव